सांध्य दैनिक

4PM

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 157 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, बुधवार, 13 जुलाई, 2022

मनुष्य को दया कभी नहीं छोड़नी चाहिए क्योंकि दया ही धर्म का मूल है और इसके विपरीत अहंकार समस्त पापों की जड़ होता है।

–गोस्वामी तुलसीदास

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

अग्निपथ भर्ती योजना को लेकर... 2 | लोक सभा चुनाव की सियासी चौसर... 3 | आबादी से नहीं, लोकतांत्रिक मूल्यों... 7

फरियादियों की भीड़ देख भड़के सीएम, कहा

लापरवाह अफसरों के खिलाफ होगी कड़ी कार्रवाई

थानों और तहसीलों में निपटाएं मामले, लापरवाही करने वालों को चिन्हित करने के आदेश

मुख्यमंत्री के कड़े निर्देश के बाद भी नहीं सुधर रहे अधिकारी

» **गोरखपुर में सुनीं लोगों की समस्याएं**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आदेशों का भी अफसरों पर कोई असर नहीं पड़ रहा है। कई बार निर्देश देने के बावजूद मुख्यमंत्री के जनता दरबार में आज एक बार फिर फरियादियों की भीड़ उमड़ी। लोगों का हुजूम देखकर सीएम योगी भड़क गए और उन्होंने कहा कि थाना और तहसील स्तर के मामलों का निस्तारण वहीं किया जाए और इसमें लापरवाही बरतने वाले अफसरों को चिह्नित करके उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

उन्होंने पुलिस व प्रशासन के आला अफसरों से कहा कि छोटे- छोटे मामलों का निस्तारण यदि जिला, तहसील और थाना स्तर पर होता तो लोग इतनी दूर से यहां जनता दरबार में नहीं आते। उन्होंने अधिकारियों को हिदायत दी कि जिला कार्यालयों, तहसीलों और थानों में आने वाली शिकायतों को गंभीरता से लेकर उनका गुणवत्तापूर्ण ढंग से त्वरित निस्तारण करें। इस दौरान महिला फरियादियों के साथ आए छोटे बच्चों को उन्होंने चाकलेट देकर दुलारा। मुख्यमंत्री ने आज सुबह गोरखनाथ मंदिर के हिन्दू सेवाश्रम में जनता दरबार लगाया और फरियादियों की समस्याएं सुनीं। जनता दरबार में लोगों की भीड़ उमड़ी थी। उन्हें दो स्थानों पर बैठाया गया था। मुख्यमंत्री ने करीब डेढ़ सौ लोगों से आवेदन लिया और अधिकारियों को समस्या के निराकरण का निर्देश दिया। ज्यादातर मामले राजस्व एवं पुलिस विभाग से जुड़े थे। इस दौरान कई लोगों ने मुख्यमंत्री से शिकायत की कि थाने पर उनकी सुनवाई नहीं हो रही है।

मुख्यमंत्री ने गुरु पूर्णिमा पर की विशेष साधना
देश भर में धूमधाम से मनाया गया पर्व

गुरु पूर्णिमा के मौके पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने बतौर गोरक्षपीठाधीश्वर आज शिवावतारी गुरु गोरक्षनाथ का विशेष पूजन कर उन्हें महारोट का प्रसाद चढ़ाया। उसके बाद वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सभी गुरुओं और मंदिर परिसर में मौजूद सभी देव विग्रहों की विधि-विधान के साथ पूजन किया। उन्होंने देशवासियों को गुरु पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। मंदिर की गोशाला में गो सेवा की। इस मौके पर अपने संदेश में उन्होंने कहा कि हमें गुरु-पूजन पूरी आस्था और श्रद्धाभाव से करके उनका आशीर्वाद लेना चाहिए। सनातन संस्कृति में ज्ञान प्राप्ति के लिए गुरु-शिष्य की सुदीर्घ परम्परा है। बिना गुरु के ज्ञान प्राप्त करना सम्भव नहीं है। हमारी संस्कृति में गुरु को सर्वोच्च स्थान प्रदान किया गया है। वहीं आज पूरे देश में गुरु पूर्णिमा का पर्व धूमधाम से मनाया गया।

राष्ट्रपति चुनाव की सरगर्मियां तेज, 'उड़ान' भरने लगे 'मिस्टर बैलेट बॉक्स'

» **राज्यों में हवाई जहाज के जरिए भेजी जा रहीं मतपेटियां**

» **यात्रियों की तरह अलग से बुक करायी जाती है टिकट**

» **18 जुलाई को होना है राष्ट्रपति का चुनाव**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में राष्ट्रपति चुनाव को लेकर सरगर्मियां तेज हो गई हैं। चुनाव आयोग ने 18 जुलाई को होने वाले आगामी राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतपेटियों, पेपर पेन और अन्य सीलबंद सामग्री का वितरण शुरू कर दिया है। मतपेटियां

(बैलेट बाक्स) यात्रियों के रूप में उड़ान भर रही हैं और इनमें से प्रत्येक को विमान में एक सीट आवंटित की गई हैं। ये ज्यादातर राज्यों की राजधानियों को जा रही हैं जहां उनका इस्तेमाल चुनाव के दौरान होगा।

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार और चुनाव आयुक्त अनूप चंद्र पांडे की निगरानी में सीलबंद सामग्री का निरीक्षण पूरा हो चुका है। इसके बाद इसे राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों के सहायक रिटर्निंग अधिकारियों को सौंप दिया गया है। मतपेटियों के लिए मिस्टर बैलेट बॉक्स के नाम से अलग से टिकट बुक की जाती हैं। मिस्टर बैलेट बॉक्स मतपत्र तथा मतों को चिह्नित करने के लिए विशेष पेन जैसी चुनाव सामग्री ले जाने वाले अधिकारी की सीट के बगल में रखा जाता है। यह सीट विमान की अगली पंक्ति में बुक होती है। मंगलवार को जहां 14 मतपेटियां भेजी गईं, वहीं आज 16 मतपेटियां भेजी जाएंगी। मतदान समाप्त होने के बाद सील की गईं मतपेटियों और अन्य चुनाव सामग्री को अगली उपलब्ध उड़ान से चुनाव अधिकारी, जो इस बार राज्यसभा महासचिव हैं, के कार्यालय में वापस ले जाया जाता है।

श्रीलंका में हालात बेकाबू

पीएम आवास में घुसे लोग आपातकाल की घोषणा

» **प्रदर्शनकारियों पर दागे गए आंसू गैस के गोले की गई फायरिंग**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलंबो। श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे के देश छोड़कर फरार होने के बाद हालात बेकाबू हो गए हैं। कोलंबो में हजारों लोग सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी पीएम आवास में घुस गए हैं। सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस के गोले दागे और फायरिंग की। वहीं श्रीलंका में आपातकाल की घोषणा की गई है।

श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे देश छोड़कर फरार हो गए हैं। गोटाबाया के फरार होने के बाद राजधानी कोलंबो में हालात बिगड़ गए हैं। प्रदर्शनकारी पीएम आवास में घुस गए हैं। श्रीलंका के प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे के आज मालदीव भाग जाने के बाद कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में आपातकाल की घोषणा की।

ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने की योजना पर विभाग कर रहा काम : स्वतंत्र देव

» जलशक्ति मंत्री बोले- हर घर को नल से शुद्ध जल के साथ गांव-गांव तक पहुंचा रहे रोजगार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने जलशक्ति विभाग की 100 दिनों की कार्ययोजना की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में सेवा, सुशासन और जनकल्याण के लिए समर्पित योगी सरकार के 100 दिनों की कार्ययोजना के लक्ष्य को जलशक्ति विभाग ने शत-प्रतिशत पूरा करने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में हर घर तक नल से शुद्ध जल पहुंचाने का अभियान प्रदेश में युद्धस्तर पर चल रहा है। हर घर तक नल से जल पहुंचाने के साथ गांव-गांव तक रोजगार भी पहुंचाने का काम किया जा रहा है।

ग्रामीण महिलाओं की घर बैठे आय बढ़ा कर उन्हें सशक्त बनाने की योजना पर भी विभाग तेजी से काम कर रहा है। जलशक्ति मंत्री ने नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की उपलब्धियों की जानकारी देते हुए बताया कि 100 दिनों में जल जीवन मिशन ने प्रदेश के 574 गांवों में पाइप पेयजल योजनायें पूरी की हैं। इनमें बुन्देलखंड और विन्ध्य की 64 पेयजल योजनाएं शामिल हैं। इन योजनाओं

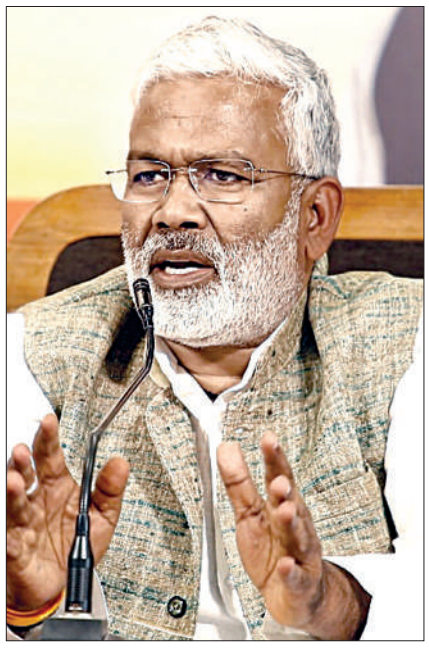

से 3.76 लाख घरों में पानी के कनेक्शन दिए गए हैं। मंत्री ने बताया कि बुंदेलखंड में 100 दिनों में कुल 63 योजनाओं का कार्य पूरा किया गया। 50 हजार घरों में पेयजल कनेक्शन के लक्ष्य के सापेक्ष 66 हजार से अधिक घरों में हाउसहोल्ड टैप कनेक्शन दिए गए। योजना

गंगा को प्रदूषण मुक्त बनाने का प्रयास

जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि वाराणसी में 7.5 किमी लम्बे शाही नाले की सिल्ट सफाई एवं लाइनिंग कर जीणोद्धार का कार्य पूरा किया गया है। वहीं कानपुर के पनकी और मथुरा में यमुना में गिरने वाले नालों को टैप किया गया। मसानी, जौनपुर और बागपत में नए एसटीपी का निर्माण पूरा कराया। मिर्जापुर, गाजीपुर, फर्रुखाबाद-फतेहगढ़ एवं बरेली में 34 नालों को टैप किया। इसके अलावा कुछ अन्य जगहों पर भी काम चल रहा है।

से 33 हजार से अधिक घरों में नल कनेक्शन के साथ पानी की सप्लाई भी शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा विंध्य क्षेत्र के मिर्जापुर और सोनभद्र में 17 परियोजनाओं से कुल 1236 ग्राम पंचायतों को फायदा मिलने जा रहा है। 2961 राजस्व गांव लाभान्वित होंगे। उन्होंने बताया कि विंध्य क्षेत्र में दिसंबर 2022 तक 6.5 लाख से अधिक फंक्शनल हाउसहोल्ड टैप कनेक्शन(एफएचटीसी) देने का लक्ष्य है, जिससे 40 लाख से अधिक आबादी को पाइप पेयजल योजना से शुद्ध पेयजल मिलेगा।

अग्निपथ भर्ती योजना को लेकर जयंत ने पीएम मोदी को घेरा

» जब सेना में पेंशन नहीं तो सांसद और विधायक को क्यों

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के मुखिया जयंत चौधरी ने आगरा के खंदौली में युवा पंचायत में अग्निपथ भर्ती योजना पर सवाल उठाए। कहा कि वर्ष 2000 के बाद सेना में कोई भर्ती नहीं हुई है। युवा बेरोजगार घूम रहे हैं। उन्होंने कहा कि सेना के जवान पेंशन के हकदार नहीं तो सांसद और विधायक क्यों? रालोद मुखिया ने अग्निपथ योजना के विरोध के दौरान हुई हिंसा में लिखे मुकदमों को वापस लेने की मांग उठाई। युवा पंचायत में रालोद मुखिया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी युवाओं की भावनाओं को समझना नहीं चाहते हैं। उन्होंने युवाओं से कहा कि वह राज्यसभा में अग्निपथ भर्ती योजना का विरोध करेंगे।

युवाओं के लिए लड़ाई लड़ूंगा। वर्ष 2000 के बाद सेना में कोई भर्ती नहीं हुई है। युवा बेरोजगार घूम रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री के सलाहकारों को भी कटघरे मे खड़ा किया। जयंत चौधरी ने कहा कि पता नहीं प्रधानमंत्री के वे कौन से सलाहकार हैं, जो बिना सोचे समझे निर्णय ले लेते हैं। युवाओं से कहा कि तुम मैदान मे डटे रहो। राज्यसभा में अग्निपथ योजना का विरोध करूंगा और तुम्हारे हक की लड़ाई लड़ूंगा। पेंशन की बात पर उन्होंने कहा कि अगर सेना का जवान पेंशन का हकदार नहीं तो सांसद और विधायक क्यों हकदार हैं? जयंत चौधरी ने कहा की पीएम मोदी भारतीय सेना की परंपरा को समाप्त करना चहाते हैं।

ट्रांसफर पॉलिसी में गड़बड़ी, 15 को मुख्यमंत्री को रिपोर्ट देगी कमेटी

» स्वास्थ्य और पीडब्लूडी विभाग में हुए ट्रांसफर की चल रही जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में स्वास्थ्य और पीडब्लूडी विभाग में हुए ट्रांसफर पर सीएम योगी ने जांच बैठा दी है। मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव दुर्गाशंकर मिश्रा की अगुवाई में 3 बड़े अफसरों का एक्सपर्ट पैनल बनाया है। इस पैनल से 2 दिन में रिपोर्ट मांगी है। 15 जुलाई को रिपोर्ट मुख्यमंत्री को सौंपी जाएगी। इस जांच पैनल में चीफ सेक्रेटरी के अलावा एसीएस होम अवनीश अवस्थी और संजय भुसरेड्डी को भी शामिल किया गया है। बता दें कि स्वास्थ्य विभाग में हुए ट्रांसफर पर खुद डिप्टी सीएम और मंत्री बृजेश पाठक ने सवाल उठाए थे।

उन्होंने भी मामले में विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित मोहन प्रसाद को जवाब तलब भी किया था। वहीं पीडब्लूडी विभाग के मंत्री जितिन प्रसाद हैं। इस विभाग में भी ट्रांसफर को लेकर

भी आपत्तियां आई थीं। स्वास्थ्य विभाग में हुए तबादलों पर काफी आपत्तियां आई थीं। डॉक्टरों ने आरोप लगाया था कि तबादला नीति को दरकिनार करके ट्रांसफर किए गए। एक जिले में तैनात पति-पत्नी का ट्रांसफर अलग-अलग जिलों में कर दिया गया। इसके अलावा रिटायरमेंट में कुछ ही महीने शेष रहने वाले डॉक्टरों का तबादला भी कहीं दूर कर दिया गया। दिव्यांग डॉक्टरों का भी ट्रांसफर घर से दूर कर दिया गया। पीएमएस एसोसिएशन ने भी तबादलों पर आपत्तियां जताते हुए संशोधन की मांग की थी।

अखिलेश पर दबाव बनाना चाहते थे राजभर : शशि प्रकाश

» झूठ बोलते हैं राजभर, लालची व मतलबी इंसान है वो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का साथ उनके बेहद करीबी ने छोड़ दिया है। बीते करीब 17 वर्ष से ओम प्रकाश राजभर के साथी रहे शशि प्रकाश सिंह ने राजभर पर गंभीर आरोप लगाए है। उन्होंने कहा कि ओम प्रकाश राजभर राष्ट्रपति चुनाव में एनडीए प्रत्याशी द्रौपदी मुर्मू के समर्थन में हैं, बल्कि उनको छोड़कर पार्टी के अन्य सभी पांच विधायक सपा के साथ हैं।

राजभर के एनडीए प्रत्याशी के लिए मुख्यमंत्री आवास पर डिनर में जाने की बात पर शशि प्रकाश सिंह का कहना है कि अखिलेश यादव पर दबाव बनाने और उनको ब्लैकमेल करने के लिए यह बात फैलाई गई

है। शशि प्रकाश ने कहा कहा कि राजभर जितना झूठ बोलते हैं, कोई नहीं बोल सकता। उनको सिर्फ पैसे का लालच है, मतलबी इंसान है। शशि प्रकाश सिंह ने कहा कि मेरे साथ गाजीपुर, बलिया, आजमगढ़ के सैकड़ों कार्यकर्ता हैं। यह सब भी ओम प्रकाश राजभर से खुश नहीं थे। मैं तो लम्बे समय से साये की तरह ओम प्रकाश राजभर के साथ रहा। मुझे तो उनकी हर बात का पता है। राजभर पैसे के लिए हर राजनीतिक दल से अलग होते रहे है। शशि प्रकाश सिंह ने कहा कि राजभर ने जिस तरह से राम को लेकर चुनाव से पहले बयान दिया कि वो राम को नहीं मानते उससे भी बहुत लोग नाराज हुए। मैंने कई बार उनकी भाषा को लेकर बहुत समझाया पर राजभर जी नहीं मानें। हम लोगों की विचारधारा चाहे कुछ हो, हम लोग सनातनी हैं। इससे सपा गठबंधन के वोट घट गए, नुकसान हुआ। उन्होंने ना सिर्फ भाजपा को धोखा नहीं दिया बल्कि सबको धोखा दिया है। उधर, सुभासपा छोड़ने वाले शशि प्रकाश पर प्रवक्ता सुनील अर्कवंशी ने कहा कि शशि प्रताप को निकाला गया है। शशि प्रताप सिंह बिन पेंदी के लोटे हैं। उनका मानसिक संतुलन बिगड़ गया है। वह अपना इलाज कराएं। उन्होंने अपनी पार्टी का नाम समता पार्टी नहीं बल्कि कचरा पार्टी रखना चाहिए।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

विश्व हिंदू सेना के अध्यक्ष पाठक को जान से मारने की धमकी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विश्व हिंदू सेना के अध्यक्ष अरुण पाठक को जान से मारने की धमकी दी गई है। वह वाराणसी के रहने वाले हैं। धमकी की टाइप की हुई रजिस्टर्ड चिट्ठी सियालदह के पते से भेजी गई है। इसमें लिखा है कि अरुण पाठक तू लगातार इस्लाम के खिलाफ बोलता आया है। तूने भी हमारे रसूल के खिलाफ गुस्ताखी की है। इसलिए तुझे और तेरे परिवार को इसकी सजा मिलेगी... इंशाल्लाह...। तेरी गर्दन तक भी मेरा खंजर जरूर पहुंचेगा। गुस्ताख-ए-रसूल की एक ही सजा सर तन से जुदा... सर तन से जुदा...।

अरुण पाठक ने बताया कि चिट्ठी में लिखा है कि तुझे भी तेरे दोस्त कमलेश तिवारी और कन्हैया लाल के पास जल्द पहुंचा दिया जाएगा। चिट्ठी में सबसे नीचे लिखा है हम हैं नबी के नेक बंदे... दारुल इस्लाम...। अरुण पाठक पहले शिवसेना से जुड़े रहे हैं। वह ज्ञानवापी परिसर स्थित मां शृंगार गौरी के मंदिर में नियमित दर्शन-पूजन के लिए भी आंदोलन करते रहे हैं। अरुण पाठक ने चिट्ठी के जवाब में कहा हम ऐसी छुटभैया किस्म की हरकतों से डरने वाले नहीं हैं। सनातन धर्म के लिए हमारी आवाज हमेशा बुलंद मिलेगी।

लोक सभा चुनाव की सियासी चौसर पर गोटियां बिछाने में जुटी भाजपा, लाभार्थियों पर नजर

» केंद्र और प्रदेश सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठा रहे लोगों से तेज किया संपर्क

» किसानों और नौजवानों को भी लुभाने में जुटी सरकार जातीय समीकरण पर भी फोकस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव में प्रचंड बहुमत से लगातार दूसरी बार सत्ता में लौटी भाजपा अब लोक सभा चुनाव की चौसर पर अपनी गोटियां बिछाने में जुट गयी है। शीर्ष और प्रदेश नेतृत्व ने पूरी रणनीति बना ली है और उसे जमीन पर उतारने की कवायद में लग गया है। उत्तर प्रदेश में भाजपा न केवल केंद्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पाने वाले लाभार्थियों से संपर्क तेज कर दिया है बल्कि किसानों और नौजवानों को साधने में भी जुट गयी है। इसके अलावा जातीय समीकरण पर भी फोकस करने की रणनीति तैयार की गयी है। विशेषकर दलित और अतिपिछड़ों को अपने पाले में बनाए रखने का खाका तैयार किया है।

भाजपा ने मिशन 2024 की तैयारी अभी से शुरू कर दी है। रणनीति बनाने को लेकर पिछले दिनों उत्तर प्रदेश में बैठकों का दौर चला। इसमें आगामी कार्यक्रमों और अभियानों की रूपरेखा तय की गई। यूपी के सभी जिलों से पहुंचे पदाधिकारियों को रणनीति समझाई गई। सपा के गढ़ आजमगढ़ और रामपुर में मिली जीत का उदाहरण देते हुए

बताया गया कि किसी भी लक्ष्य को हासिल करना मुश्किल नहीं है। वहीं हैदराबाद में हुई तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक की रणनीति को भी जमीन पर उतारने का काम शुरू कर दिया गया है। तय किया गया कि प्रदेश में केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ लेने वाले सभी लाभार्थियों तक पहुंचा जाए और जिनको अभी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाया है उन्हें उपलब्ध कराया जाए। भाजपा ने इन्हीं लाभार्थियों की वजह से विधान सभा चुनाव में प्रदेश में अपना परचम फहरा दिया था। इसके अलावा यूपी सरकार किसानों को अपने पाले में करने के लिए तमाम योजनाएं चला रही है। पिछले दिनों प्रदेश के पचास लाख से अधिक गन्ना किसानों को मुख्यमंत्री ने शेयर सर्टिफिकेट वितरित किए थे। ऐसा पहली बार हुआ है जब गन्ना किसानों को शेयर धारक बनाया गया है। यही नहीं यह भी ऐलान किया गया कि सहकारी चीनी मिलें अगर लाभ में आईं तो किसानों को बोनस भी दिया जाएगा। साथ ही सत्र से पहले बकाया गन्ना भुगतान का भी सरकार ने ऐलान किया है। वहीं नौजवानों को साधने के लिए सरकार टैबलेट और स्मार्ट फोन वितरित कर रही है। महिला मतदाताओं को भी लुभाने की कोशिश की जा रही है। इसके अलावा भाजपा की रणनीति लोक सभा चुनाव के दौरान दलित और अतिपिछड़ों को अपने पाले में बनाए रखने की भी है। जातीय समीकरण साधने के लिए कई रणनीतियां बनायी गयी हैं।

बूथ मैनेजमेंट को उतारी फौज

भाजपा ने इस बार बूथ मैनेजमेंट की जिम्मेवारी विधायकों और सांसदों को दे रही है। भाजपा ने इस बार प्रत्येक विधायक को 25 बूथ की जिम्मेदारी दी है। वहीं, सांसदों को 100 बूथों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इनको स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर हर बूथ पर कमेटी बनानी है। साथ ही ज्यादा से ज्यादा लोगों को पार्टी से जोड़ने का लक्ष्य दिया गया। पार्टी सूत्रों का कहना है कि लोक सभा चुनाव में यूपी में भाजपा ने तय किया है कि वह 50 फीसदी से ज्यादा वोट हासिल करेगी। इसके लिए भाजपा कार्यकर्ता केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों के साथ अगले दो साल तक लगातार संपर्क में रहें।

हारी हुई सीटें जीतने को भाजपा ने खेला बड़ा दांव

यूपी में लोक सभा चुनाव में हारी हुई सीटों पर भाजपा की निगाहें जमी हुई हैं। आगामी लोक सभा चुनाव में और ज्यादा तैयारी के साथ पार्टी मैदान में उतर पड़ी है। मुरादाबाद मंडल समेत प्रदेश भर में उन सीटों पर जहां 2019 में शिकस्त मिली वहां केंद्रीय मंत्रियों और राज्य सभा सांसदों को जिम्मेदारी दी है। मंत्री संगठन की समीक्षा कर रहे हैं। उन वोटरों तक पहुंच कैसे बनाएं जो पिछले चुनाव में साथ नहीं थे। इसका भी आकलन कर रहे हैं। संभल में केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे, अमरोहा में मीनाक्षी लेखी, बिजनौर में रेल राज्य मंत्री अश्विनी वैष्णव और मुरादाबाद में केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह को जिम्मेदारी मिली है। डॉ. जितेंद्र सिंह ने मुरादाबाद में दो रात तीन दिन बिताए जबकि अश्विनी चौबे भी संभल में तीन दिन प्रवास पर रहे। मुरादाबाद प्रवास के दौरान जितेंद्र सिंह ने सभी मोर्चा-प्रकोष्ठों के साथ ही जिला और महानगर संगठन की कार्यशैली को भांपा। इसके अलावा अधिवक्ता, डॉक्टर, रिटायर्ड कर्मचारी समेत कई वर्ग के लोगों के साथ संवाद किया।

राजभर की पार्टी में बगावत की बयार

» पार्टी उपाध्यक्ष ने छोड़ा अपने ही नेता का साथ

» राजभर के बार-बार बयान बदलने से असमंजस में सपा और भाजपा

दिव्यभान श्रीवास्तव

लखनऊ। महाराष्ट्र से चलकर गोवा पहुंची बगावत की बयार अब उत्तर प्रदेश भी पहुंच गई है। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) प्रमुख ओम प्रकाश राजभर को बड़ा झटका देते हुए दल के उपाध्यक्ष ने उनका साथ छोड़ दिया है। पार्टी उपाध्यक्ष शशि प्रताप सिंह ने गंभीर आरोप लगाते हुए राजभर की पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। ऐसे में ओम प्रकाश राजभर की टेंशन बढ़ गई है। फिलहाल राजभर का कहना है कि अभी वे नाराज हैं, उन्हें हम जल्द मना लेंगे। हर दलों में नाराजगी होती है। आपस में मतभेद होना कोई बड़ी बात नहीं।

हम लोग जल्द इस समस्या को सुलझा लेंगे। वहीं पार्टी छोड़ते ही शशि प्रताप सिंह ने कहा कि ओम प्रकाश राजभर केवल अपने बेटे और पत्नी को आगे बढ़ाना चाहते हैं। वह देश के सबसे बड़े झूठे नेता हैं। बता दें कि ओम प्रकाश राजभर कल राष्ट्रपति चुनाव को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस करने वाले थे, लेकिन उपाध्यक्ष के पार्टी छोड़ने के बाद इसे रद्द कर दिया गया था। बताया जा रहा है कि ओम प्रकाश राजभर ने राष्ट्रपति चुनाव में द्रौपदी मुर्मू को वोट देने का संकेत दिया था। नौ जुलाई को एनडीए की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू लखनऊ पहुंचीं थीं, उनके सम्मान में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रात्रिभोज का आयोजन किया था। इसमें सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर, शिवपाल यादव, राजा भैया और बसपा विधायक भी शामिल हुए थे। चारों नेताओं की उपस्थिति ने राजनीतिक समीकरण बदलने के संकेत दिए थे। राजभर के कई बयान भी यह संकेत कर रहे हैं सपा-सुभासपा गठबंधन में गांठ पड़ चुकी हैं। उधर ओम प्रकाश के बार-बार बयान बदलने से सपा और भाजपा में असमंजस की स्थिति है। बता दें कि सपा गठबंधन के साथ मिलकर चुनाव लड़ने वाले राजभर के एनडीए की बैठक में पहुंचने से सियासत गरमा गई थी। कयास लगाए जा रहे थे कि राजभर के शामिल होने से सपा गठबंधन में दरार बढ़नी तय है। एनडीए की उम्मीदवार को जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के दोनों विधायकों ने भी समर्थन देने की बात कही थी। पार्टी प्रमुख रघुराज प्रताप सिंह ने इसका ऐलान किया था। राजा भैया ने कहा था कि एनडीए उम्मीदवार का समर्थन देना वक्त के हिसाब से जरूरी है।

शशि प्रकाश ने बनाई राष्ट्रीय समता पार्टी

करीब 17 वर्ष से ओम प्रकाश राजभर के साथी रहे शशि प्रकाश सिंह ने लगातार उनकी अस्थिरता को देखते हुए साथ छोड़कर नई पार्टी का गठन किया है। शशि प्रकाश सिंह ने सुभासपा से अलग होकर राष्ट्रीय समता पार्टी के गठन का ऐलान किया है। ओम प्रकाश राजभर पर आरोप लगाते हुए शशि प्रकाश सिंह ने कहा कि राजभर राष्ट्रपति चुनाव में एनडीए प्रत्याशी द्रौपदी मुर्मू के समर्थन में नहीं हैं, क्योंकि उनको छोड़कर पार्टी के अन्य सभी पांच विधायक सपा के साथ हैं। राजभर के एनडीए प्रत्याशी के लिए मुख्यमंत्री आवास पर डिनर में जाने की बात पर शशि प्रकाश सिंह का कहना है कि अखिलेश यादव पर दबाव बनाने और उनको ब्लैकमेल करने के लिए यह बात फैलाई गई है।

यशवंत सिन्हा के कार्यक्रम में नहीं बुलाने से हैं नाराज

सपा कार्यालय में राष्ट्रपति चुनाव की बैठक में न बुलाए जाने पर सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर का बयान सामने आया था। उन्होंने कहा था कि मुझे न फोन किया, न बैठक में बुलाया, शिवपाल यादव को भी नहीं बुलाया गया। हम छह लोग बैठकर इंतजार करते रहे, हम गठबंधन का धर्म निभाना चाहते हैं। राजभर ने यह भी कहा है कि पहले वह सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात कर विपक्ष के राष्ट्रपति उम्मीदवार यशवंत सिन्हा कार्यक्रम में न बुलाने की वजह से पूछेंगे। इसके बाद ही गठबंधन के भविष्य और राष्ट्रपति चुनाव में वोट देने को लेकर फैसला लेंगे। राजभर ने कहा कि दो दिन पहले हमने पार्टी के पूर्व एमएलसी उदयवीर से अखिलेश से मुलाकात कराने को कहा था लेकिन अभी तक उधर से कोई सूचना नहीं मिली है इसलिए हम प्रतीक्षा कर रहे हैं।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

बाढ़ की विभीषिका से सबक कब?

असम समेत देश के कई अन्य राज्यों में बाढ़ का कहर दिखने लगा है। गुजरात में बाढ़ से 63 लोगों की मौत हो गई है। महाराष्ट्र, कर्नाटक और मध्य प्रदेश के हालात भी बिगड़ने लगे हैं और यहां भी नदियां उफान पर हैं। राज्यों में अलर्ट जारी किया गया है। अकेले असम में पौने चार लाख लोग प्रभावित हुए हैं जबकि चार सौ से अधिक गांव अभी जलमग्न हैं। सवाल यह है कि हर साल आने वाली बाढ़ को नियंत्रित करने के लिए ठोस उपाय क्यों नहीं किए जाते हैं? धन-जन की हानि को रोकने में केंद्र और राज्य सरकारें नाकाम क्यों हैं? राहत और बचाव कार्य कर सरकारें अपने कर्तव्यों की इतिश्री क्यों कर लेती हैं? बाढ़ के मूल कारणों पर गौर क्यों नहीं किया जाता है? क्या बाढ़ देश की अर्थव्यवस्था को कमजोर नहीं कर रही है? आखिर नदियां बारिश आते ही उफान क्यों मारने लगती हैं? क्या लोगों के जीवन की सुरक्षा से खिलवाड़ करने की छूट किसी को दी जा सकती है?

हर साल बारिश के मौसम में देश के अधिकांश राज्यों में बाढ़ की विभीषिका न केवल लाखों लोगों को विस्थापित कर देती है बल्कि भारी जान-माल का भी नुकसान करती है। खेतों में खड़ी लाखों एकड़ फसल नष्ट हो जाती है और मवेशी बह जाते हैं। बाढ़ के बाद किसान भुखमरी और तमाम रोगों के शिकार हो जाते हैं। बावजूद इसके सरकार समस्या का स्थायी समाधान नहीं खोज पा रही है। दरअसल, नदी तल पर लगातार जम रही मिट्टी व कंकड़ के कारण नदियां उथली हो गयी हैं। उनकी पानी भरण क्षमता कम होती जा रही है। रही सही कसर बांध पूरी कर देते हैं। बांध टूटने के डर से इनके गेट खोल दिए जाते हैं जिससे इसका पानी भी नदियों में पहुंच जाता है। लिहाजा ये नदियां अपने तटबंध को छोड़कर गांव और खेतों में पहुंच जाती हैं। बाढ़ के कारण हर साल खेती योग्य जमीन का कटान होता है और इसका असर खेतिहर भूमि पर पड़ता है। खेतिहर भूमि में कमी हो रही है। यह स्थिति डरावनी है। सरकार यदि बाढ़ को नियंत्रित करना चाहती है तो उसे न केवल नदियों मसलन गंगा, यमुना, गोदावरी, नर्मदा आदि नदियों को साफ कराकर उसकी गहरायी बढ़ानी होगी बल्कि पहाड़ी क्षेत्रों की नदियों के बाढ़ को नियंत्रित करने के लिए नदियों को एक-दूसरे से जोड़ने की नीति पर अमल करना होगा। इससे बाढ़ विकराल रूप नहीं ले पाएगी। जलाशयों, कुओं और पोखरों के कमी के कारण बारिश का सारा पानी नदियों में बह जाता है। इससे भी बाढ़ की स्थिति बनती है। लिहाजा सरकार को पोखर, तालाबों की संख्या बढ़ाने पर जोर देना होगा अन्यथा जन-धन हानि को रोकना मुश्किल होगा।

सवाल यह है कि हर साल आने वाली बाढ़ को नियंत्रित करने के लिए ठोस उपाय क्यों नहीं किए जाते हैं? धन-जन की हानि को रोकने में केंद्र और राज्य सरकारें नाकाम क्यों हैं? राहत और बचाव कार्य कर सरकारें अपने कर्तव्यों की इतिश्री क्यों कर लेती हैं? बाढ़ के मूल कारणों पर गौर क्यों नहीं किया जाता है? क्या बाढ़ देश की अर्थव्यवस्था को कमजोर नहीं कर रही है?

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

मानसिकता बदलने को सामूहिक पहल जरूरी

मोहिन्द्र सिंह

मानवाधिकार व्यक्ति के वे अधिकार हैं जो उसे मानव होने के नाते मिलते हैं और जिनके अभाव में कोई भी व्यक्ति अपना पूर्ण विकास नहीं कर सकता। मानवाधिकार मानव को भय, भूख एवं शोषण से मुक्ति दिलाने व सर्वांगीण विकास के लिए जरूरी होते हैं। ये अधिकार सर्वमान्य होते हैं और जाति, लिंग, वर्ग, धर्म या मत के आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया जा सकता। ये अधिकार प्रत्येक नागरिक को मिलने चाहिए। भारतीय संविधान की प्रस्तावना में सभी नागरिकों की सुरक्षा, न्याय, स्वतंत्रता, भाईचारा, राष्ट्रीय एकता का वचन दिया गया है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा जो मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा 10 दिसंबर, 1948 को की गई और जिसे संघ की महासभा में स्वीकृति दी गई, वह एक महत्वपूर्ण घोषणा साबित हुई। हमारे संविधान में नागरिकों को दिए मौलिक अधिकार तथा राजनीति के सिद्धांत इस बात की गवाही देते हैं कि सरकारों द्वारा मानवाधिकारों की रक्षा की उचित व्यवस्था की गई है लेकिन व्यवहार में इन अधिकारों की अवहेलना होती है।

राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2018-19 में मानवाधिकारों के उल्लंघन के 89,584 मामले थे, 2019-20 में 76,628 मामले थे तथा 2021-22 में अक्टूबर, 2021 तक 64,170 मामले दर्ज हुए। यदि अकेले उत्तर प्रदेश की बात करें तो क्रमानुसार इन मामलों की संख्या 41,947 मामले, 32,693 मामले तथा 24,242 मामले थी। इस प्रकार देश में मानवाधिकार उल्लंघन के मामलों में पहले स्थान पर रहा। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के पास मई, 2022 में मृत्यु से संबंधित 208 केस, बंधुआ मजदूरों के 43, पुलिस हिरासत में मृत्यु के 4, बच्चों के 51, महिलाओं के 439, एससी, एसटी व पिछड़ी श्रेणी के 84 तथा 7519 अन्य मामले रजिस्टर्ड करवाए गए। ये आंकड़े मानवाधिकारों के बड़े उल्लंघन की ओर संकेत करते हैं। आमतौर पर पुलिस द्वारा किये गए मानवाधिकार उल्लंघन मामले सम्मिलित हैं। गैरकानूनी या अवैध हिरासत, दुर्व्यवहार, हिरासत में यातना, पुलिस द्वारा थर्ड डिग्री का टॉर्चर, प्रताड़ना या डराना, अपराध की जांच न करना, दबंगों पर कार्रवाई करने से बचना, हिरासत में मृत्यु, धमकाना, मानवीय सम्मान को खतरा, झूठे मुकाबले, हिरासत में बलात्कार व हत्या, अत्यधिक बल प्रयोग, मनगढ़ंत सबूत, विपरीत समूह के साथ गठबंधन, महिलाओं की अस्मिता को ठेस पहुंचाना, कार्रवाई करने में विफलता,

लापता करना, शारीरिक हिंसा, इत्यादि। मानवाधिकारों का हनन सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और कानूनी पृष्ठभूमियों के आधार पर भी होता है। महिलाएं आर्थिक, भावनात्मक सामाजिक, स्वास्थ्य, शिक्षा, चिकित्सा क्षेत्रों में शोषण का शिकार होती हैं। इनका शोषण कई बार अपनों द्वारा भी किया जाता है और वे अत्याचारों की शिकार हो रही हैं। बाल विवाह, दहेज प्रथा, दहेज हत्या, अपहरण, एसिड अटैक, वेश्यावृत्ति में धकेलना, कार्यस्थलों पर यौन शोषण, बलात्कार, छेड़छाड़, दुराचार, लिंग भेदभाव, अश्लील सामग्री के लिए दुरुपयोग आदि अत्याचारों का सामना उन्हें करना पड़ता है। वर्तमान में एक करोड़ से ज्यादा बाल मजदूर हैं। इनमें सबसे अधिक यानी 10-14 वर्ष की आयु के लगभग 80 लाख बच्चे कामगार हैं। हम बाल मजदूरों को चाय की दुकानों, होटलों, ढाबों, बेकरियों तथा रेस्टोरेंट्स में काम करते, चौराहों पर गाड़ियों को साफ करते, गुब्बारे तथा खिलौने बेचते, कारखानों में छोटे-मोटे काम करते देखते हैं। कई मामलों में बच्चों का अपहरण करके उन्हें अपाहिज बनाकर भीख मंगवाई जाती है। बाल मजदूरों की ज्यादा गिनती यूपी, बिहार, राजस्थान, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में है। सर्वप्रथम हमें प्रत्येक परिवार की मानसिकता को बदलने का प्रयास करना होगा ताकि परिवार में किसी भी प्रकार का भेदभाव न हो, महिलाओं की स्वतंत्रता, समानता, सम्मान को प्राथमिकता दी जाए। परिवार में ऐसे मूल्य स्थापित किए जाएं जहां लिंग, जाति, धर्म आदि के आधार पर किसी से भेदभाव न करें। जब कभी भी ऐसी घटना घर में घटित होने की आशंका हो तो सभी को मिलकर तुरंत समाधान निकालना चाहिए ताकि ऐसी घटनाएं न घट सकें।

मानवता की रक्षा के लिए सत्य, अहिंसा, प्रेम, करुणा, दया, त्याग, जैसे मूल्यों को स्थापित करने के प्रयास हों। सामाजिक, धार्मिक सोसायटियों, गैर-सरकारी संगठनों व स्वयंसेवी संस्थाओं के पूर्ण सहयोग तथा महापुरुषों, विशेषज्ञों, कलाकारों, मीडिया कर्मियों, समाज सेवकों, राजनेताओं व प्रशासकों के योगदान से भी ज़्यादा से ज़्यादा लोगों की मानसिकता को बदलने के लिए समय-समय पर मानवाधिकारों के बारे में जागरूकता अभियान चलाया जाये।

श्रीलंका में समाधान की संभावना कम

डॉ. धनंजय त्रिपाठी

पिछले कुछ दिनों में श्रीलंका में घटनाक्रम तेजी से बदला है पर इसे अप्रत्याशित नहीं कहा जा सकता है। बेहद गंभीर आर्थिक संकट के कारण वहां समाज और राजनीति में कई महीने से अस्थिरता व्याप्त है और लगातार विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। ऐसा लगता है कि यह अनिश्चित माहौल अभी बना रहेगा। मई में प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे को प्रधानमंत्री पद छोड़ना पड़ा था और रानिल विक्रमसिंघे के नेतृत्व में नयी सरकार गठित हुई थी। इस बदलाव के बावजूद हालात बद से बदतर होते गये। महिंदा राजपक्षे के प्रधानमंत्री रहते श्रीलंका एक प्रकार से दिवालिया हो गया था और उसके पास विदेशी कर्ज चुकाने या बाहर से चीजें आयात करने के लिए विदेशी मुद्रा नहीं बची थी। उनके पद से हटने के बाद ऐसी उम्मीद की जा रहे थी कि उनके भाई गोटाबया राजपक्षे भी जल्दी ही राष्ट्रपति पद छोड़ देंगे और नये सिरे से नये कार्यक्रम के तहत सरकार संकट से निकलने का प्रयास करेगी पर ऐसा नहीं हुआ और गोटाबया राजपक्षे राष्ट्रपति बने रहे।

चूंकि जनता की परेशानियां बढ़ती जा रही थीं तो आक्रोश भी गहन होता जा रहा था। खबरों में हम पेट्रोल पंपों में लंबी कतारें देख रहे हैं, वह समस्या तो है ही, पर उसके साथ-साथ जीवनरक्षक दवाओं की भी बड़ी कमी हो गयी है क्योंकि विदेशी मुद्रा नहीं होने के कारण उनका आयात करना संभव नहीं हो रहा है। मुद्रास्फीति इतनी अधिक है कि आर्थिक रूप से बहुत अधिक संपन्न लोग ही खाने-पीने की चीजों और अन्य जरूरी वस्तुओं की खरीद कर पा रहे हैं. इन चीजों की उपलब्धता भी बहुत घट चुकी है। मध्य आय वर्ग, निम्न आय वर्ग और गरीबों की स्थिति बेहद खराब है। इन मुश्किलों से किसी प्रकार की राहत मिलने के आसार नहीं दिख रहे थे। ऐसे में जनाक्रोश अनियंत्रित हो गया और लोगों ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के आवासों पर कब्जा कर लिया। प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने इस्तीफा की पेशकश की है और राष्ट्रपति गोटाबया ने पद छोड़ने की बात कही है।

जनता का गुस्सा भड़कने की एक अहम वजह यह भी है कि सर्वोच्च पदों पर आसीन इन दोनों नेताओं के द्वारा हालात सुधारने के लिए कोई ऐसी पहलकदमी भी नहीं हो रही थी। यह संकेत भी लोगों में जा रहा था कि राजपक्षे की प्राथमिकता श्रीलंका की सत्ता और राजनीति में अपने वर्चस्व को बचाने की है न कि देश को इस मुसीबत से निकालने की। श्रीलंका के लोग इस आर्थिक संकट के लिए पूरी तरह से राजपक्षे परिवार को जिम्मेदार मानते हैं। इसकी दो वजहें हैं। साल 2009 से ही यह परिवार किसी न किसी तरीके से सरकार या राजनीति में हावी रहा है। महिंदा राजपक्षे के नेतृत्व वाली हालिया सरकार की बात करें तो श्रीलंका के राष्ट्रीय बजट का 70 प्रतिशत हिस्से का नियंत्रण राजपक्षे परिवार के मंत्रियों के हाथ में था। वह सरकार एक के बाद एक लायी जा रही गलत नीतियों के साथ आगे बढ़ रही थी। पिछले एक-दो साल में जब स्थिति बिगड़ने के स्पष्ट संकेत आने लगे थे तब भी सरकार ने किसी भी तरह का प्रयास नहीं किया।

जैविक खेती की नीति से पैदावार में बड़ी कमी आयी जिससे किसानों की आमदनी तो घटी ही बाजार में चीजें काफी महंगी हो गयीं। कोविड महामारी ने पर्यटन कारोबार को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। यह स्पष्ट रूप से समझना जरूरी है कि श्रीलंका की स्थिति ठीक होने में लंबा समय लगेगा। आर्थिक स्थिति इतनी चौपट हो चुकी है कि किसी चमत्कार से ही उसका कोई तुरंत समाधान हो सकता है। अभी कुछ समय के लिए यही हो सकता है कि श्रीलंका के पड़ोसी देश और अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं तात्कालिक तौर पर मदद मुहैया कराएं ताकि लोगों को राहत मिले तथा देश को आगे का रास्ता निकालने की मोहलत मिले। अब तक भारत ने बड़े पैमाने पर सहायता की है और आगे भी उसकी भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी। भारत की ओर से इस संबंध में सकारात्मक संकेत भी दिये गये हैं। यह इसलिए भी जरूरी है कि अगर इस द्वीपीय देश में अस्थिरता बढ़ती है तो भारत भी उसके असर से अछूता नहीं रहेगा। वहां भारत की जो अच्छी छवि है उसे बरकरार रखना भी आवश्यक है। भारत की वर्तमान विदेश नीति में पड़ोसी देशों को प्राथमिकता देना अहम आयाम है। इसके लिए भी श्रीलंका का मसला एक बड़ी चुनौती है।

हालांकि भारत जैसे देशों की सहायता का बड़ा महत्व है लेकिन बड़े पैमाने पर राहत और भविष्य के लिए मजबूत आधार जरूरी है कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की ओर से बेलआउट पैकेज मिले जिसके लिए चर्चा भी हो रही है। इसके अलावा भारत, जापान समेत कुछ देशों की संयुक्त बैठक का प्रस्ताव भी है पर यह सब तब ही हो सकेगा, जब श्रीलंका में कुछ राजनीतिक स्थिरता आए और जो नयी अंतरिम सरकार बनेगी, उसका रवैया भी बड़ा निर्धारक हो। संवैधानिक व्यवस्था के अनुरूप संसद के सभापति अंतरिम रूप से सरकार गठित कर सकते हैं पर सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या जनता राजपक्षे परिवार और उनकी पार्टी से संबंधित किसी व्यक्ति को स्वीकार करेगी। कौन-कौन पार्टियां संयुक्त सरकार में शामिल होंगी और कौन-कौन बाहर रहती हैं, यह भी देखा जाना है. राजनीतिक दलों के लिए भी यह संकट का समय है। रानिल विक्रमसिंघे प्रधानमंत्री पद लेकर और असफल रह कर अपना बड़ा नुकसान कर चुके हैं। चूंकि बहुत जल्दी देश इस मुश्किल से बाहर आ पाने की स्थिति में नहीं है तो पार्टियां भी सोच-समझ कर जिम्मेदारी लेना चाहेंगी ताकि कोई दोष उनके सिर न आए।

सावन में शिव जी को ऐसे करें प्रसन्न

भगवान शिव की उपासना के लिए सावन का महीना 14 जुलाई से शुरू होने वाला है। सावन का महीना 12 अगस्त तक रहेगा और इस बीच चार सोमवार पड़ेंगे। सावन में सोमवार के व्रत रखने का विशेष महत्व बताया गया है। ज्योतिषियों का कहना है कि सावन के हर सोमवार सात विशिष्ट योग भी बनेंगे। ज्योतिषविदों का कहना है कि सावन में तीन बार रवि योग रहेगा और और बाकी चार योग अलग-अलग दिन पर पड़ रहे हैं। पहला सोमवार 18 जुलाई को है और इस दिन शोभन और रवि योग रहेगा। सावन का दूसरा सोमवार 25 जुलाई को है और इस दिन प्रदोष व्रत के साथ सर्वार्थ सिद्धि योग रहेगा। सावन का तीसरा सोमवार एक अगस्त को है और इस दिन प्रजापति और रवि योग बनेगा। वहीं, 08 अगस्त यानी चौथे सोमवार को पुत्रदा एकादशी रहेगी। सावन में ये सभी शुभ मुहूर्त भगवान शिव की पूजा के लिए बहुत ही शुभ हैं। सावन की शुरुआत 14 जुलाई दिन शुक्रवार से हो रही है और इस दिन भी दो विशेष योग रहेंगे। ज्योतिषियों का कहना है कि सावन की शुरुआत विष्कुंभ और प्रीति योग के साथ हो रही है, इसलिए श्रावण मास का महत्व और बढ़ गया है। इन दोनों ही अबूझ मुहूर्तों में भगवान शिव की पूजा का फल कई गुना बढ़ सकता है। इस शुभ मुहूर्त में पूजा के दौरान शिवलिंग का गंगाजल से जलाभिषेक करें और बेलपत्र अर्पित करें तो भगवान शिव प्रसन्न होंगे और आपकी मनोकामना पूर्ण होगी।

सावन में आएंगे सात खास व्रत त्योहार

सोमवार,	24 जुलाई	कामिका एकादशी
मंगलवार	26 जुलाई	मासिक शिवरात्रि
गुरुवार	28 जुलाई	हरियाली अमावस्या
रविवार	31 जुलाई	हरियाली तीज
मंगलवार	2 अगस्त	नागपंचमी
गुरुवार	12 अगस्त	रक्षाबंधन

सावन की पूजन सामग्री और लाभ

कच्चा दूध- सावन सोमवार की पूजा में शिव को दूध चढ़ाया जाए तो उससे उत्तम स्वास्थ लाभ मिलता है।

दही-सावन सोमवार पर शिवलिंग को दही अर्पित करने से स्वभाव में गंभीरता आती है।

घी - शिवलिंग पर घी अर्पित करने से हमारी शक्ति बढ़ती है।

शहद-भोलेनाथ को शहद चढ़ाने से हमारी वाणी में मिठास आती है।

भांग-भांग भोलेनाथ को अर्पित करने से हमारी बुराइयां दूर होती हैं।

शक्कर-शक्कर चढ़ाने से सुख और समृद्धि बढ़ती है।

केसर-केशर अर्पित करने से हमें सौम्यता प्राप्त होती है।

चंदन-शिवजी को चंदन चढ़ाने से समाज में मान-सम्मान प्राप्त होता है।

धतूरा-पुराण के अनुसार शिव ने सागर मंथन से निकले विष को पी लिया था। जिसके बाद धतूरा, भांग, बेल आदि औषधियों से उनकी व्याकुलता दूर की थी।

बेलपत्र-बेलपत्र शिव का ही रूप माना गया है, बेलपत्र की तीन पत्तियां भगवान शिव के तीन नेत्रों का प्रतीक हैं।

अक्षत-अक्षत के बिना शिव पूजा अधूरी मानी जाती है।

भस्म-शरीर पर भस्म रमा कर भगवान शिव खुद को मृत आत्मा से जोड़ते हैं।

रुद्राक्ष-शिव जी और रुद्राक्ष एक दूसरे के पर्याय हैं। रुद्राक्ष में शिव का वास होता है।

शमी के पत्ते, इत्र, शक्कर, गंगाजल, गन्ने का रस, पान का पत्ता, लौंग, इलायची, फल, कपूर, धूप, दीप शिव के प्रिय फूल (कनेर, हरसिंगार,धतूर के पुष्प, आक आदि)

हंसना मना है

बॉयफ्रेंड : मैं आज तुमसे हर चीज शेयर करना चाहता हूं। गर्लफ्रेंड : चलो बैंक अकाउंट से शुरू करते हैं। बॉयफ्रेंड हैरान।

कर्मचारी : सर बहुत बारिश हो रही है, क्या आज ऑफिस आना है? बॉस :खुद ही सोच लो किससे दिनभर बेइज्जती करानी है।.. मुझसे या पत्नी से? कर्मचारी :ठीक है सर.. मैं आ रहा हूं।

चाय की दुकान पर इतने छोटे कप हो गए हैं, लगता है चाय नहीं पोलियो की ड्रॉप पिला रहें हैं।

टीचर बताओ हम पानी क्यों पीते हैं? चिंटू : क्योंकि पानी हम खा नहीं सकते इसलिए हम उसे पीते हैं। बचपन से ही होशियार हूं मैम लेकिन कभी घमंड नहीं किया। टीचर : निकल क्लास से बाहर।

गोलू एक रेस्टोरेंट में खाना खाने गया। महिला वेटर : सर क्या लेंगे? गोलू : आपका नंबर। फिर क्या, खाना भी नहीं मिला और ऊपर से गोलू की हो गई जोरदार कुटाई।

बॉयफ्रेंड : तुम रो क्यों रही हो? गर्लफ्रेंड : मैंने अपने फोन को ऐरोप्लेन मोड में रखा है। फिर भी यह उड़ नहीं रहा।

डाकू : हम घर लूटने आए हैं, मगर बंदूक घर पर भूल आए हैं। चीकू : कोई बात नहीं, आप लोग शरीफ आदमी लगते हो, आज घर लूट लो कल आकर बंदूक जरूर दिखा जाना।

कहानी — सच्ची शिक्षा

प्रवीण नाम का एक छोटा लड़का था। उसे तरह-तरह की युद्ध-कलाएं सीखने का बहुत शौक था। उसने एक योद्धा का बहुत नाम सुना था। लोग कहते थे कि उनके जैसा तलवार चलाने वाला आज तक नहीं हुआ। प्रवीण के मन में इच्छा हुई कि उनके पास जाकर तलवार चलाने की शिक्षा ली जाए। वह उस शहर की ओर चल पड़ा, जहाँ वे रहते थे। प्रवीण ने योद्धा के पास जाकर विनती की कि वे उसे शिष्य बना लें। योद्धा ने उसकी प्रार्थना स्वीकार कर ली। उन्होंने प्रवीण से कहा कि तलवारबाजी सीखने के कुछ नियम हैं। उसे उन नियमों का पालन करना होगा। प्रवीण ने स्वीकार कर लिया। अगले दिन से योद्धा ने उसे समझा दिया कि उसे घर के क्या-क्या काम करने होंगे? प्रवीण सुबह से शाम तक सफाई, झाड़-पोंछ, कपड़े धोना, बर्तन साफ करना यही सब करता रहता था। ऐसा करते हुए काफी दिन बीत गए। लेकिन योद्धा ने तलवारबाजी सिखाने का नाम तक नहीं लिया। धीरे-धीरे प्रवीण का मन उखड़ने लगा। हर दिन वह इंतजार करता था कि शायद आज कुछ शुरुआत होगी, लेकिन जब ऐसा नहीं हुआ तो वह योद्धा के पास गया और बोला, श्रीमान मेरी शिक्षा कब आरंभ होगी? उसके गुरु ने कुछ नहीं कहा और चले गए। प्रवीण को बहुत अजीब लगा। अगले दिन जब वह कपड़े धो रहा था तो किसी ने आकर जोर से उसकी पीठ पर लकड़ी पीठ पर लकड़ी से वार किया। उसने मुड़कर देखा तो उसके गुरु लकड़ी पीठ पर लकड़ी से वार किया। उसने मुड़कर देखा तो उसके गुरु लकड़ी की एक तलवार लेकर जल्दी से दूसरी ओर जा रहे थे। उसे बड़ा आश्चर्य हुआ कि उन्होंने ऐसा क्यों किया? उसके बाद ऐसी घटनाएं अक्सर होने लगीं। प्रवीण अब किसी भी प्रहार के लिए तैयार रहने लगा। वह हरदम सतर्क रहने लगा। यहाँ तक कि सोते समय भी वह आसपास का ध्यान रखने लगा। धीरे-धीरे उसने अपना बचाव करना सीख लिया। एक दिन गुरुजी तन्मयता से कुछ लिखने में व्यस्त थे। प्रवीन के मन में एक अजीब ख्याल आया। वह गुरु पर वार करने के लिए उनकी ओर दबे पांव आया। वह देखना चाहता था कि वे किस प्रकार से अपना बचाव करते हैं। उसने तलवार उठाई और जोर का एक प्रहार किया। लेकिन उसके गुरु हर पल इस तरह के प्रहार से बचने के लिए तैयार थे। उनके पास एक ढाल रखी थी। उन्होंने तुरंत वह ढाल उठाई और अपने आपको प्रहार से बचा लिया। प्रवीण आश्चर्य से देखता रह गया। उसने अपने बचाव की एक नई विधि सीख ली थी। उसने गुरु से कहा, श्रीमान मैं समझ गया हूं कि मेरी शिक्षा आरंभ हो चुकी है। योद्धा ने कहा, हाँ पुत्र, अच्छा तलवारबाज होने का मतलब यह नहीं है कि आप अपने प्रतिद्वंद्वी से अच्छी तलवार घुमाएं बल्कि सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है- आत्मरक्षा यानि कि किसी भी प्रहार से अपनी रक्षा करना। हमें सामने वाले के विचारों को पढ़ना आना चाहिए। प्रवीण ने काफी दिनों तक मन लगाकर शिक्षा ग्रहण की और तलवारबाजी में प्रवीण होकर अपने देश की सेवा की।

11 अंतर खोजें

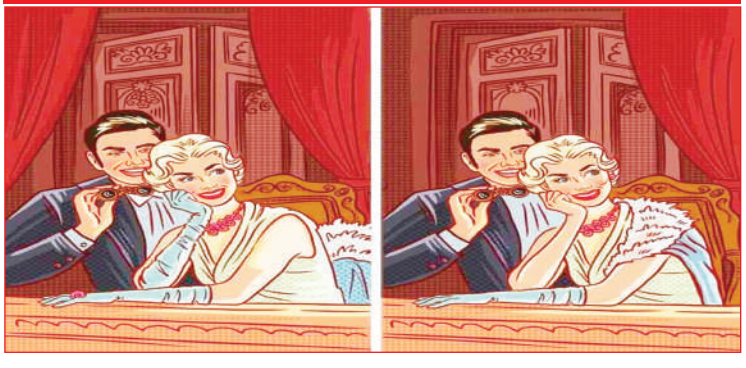

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज आपका किस्मत भरपूर सहयोग देगी। आपका साहस और बुद्धि चरम पर होंगे। सामाजिक लोकप्रियता में वृद्धि होगी। दफ्तर में वरिष्ठ आपके काम को सराहेंगे। शत्रु आपके सामने खड़े नहीं हो पाएंगे।

वृषभ

गुरुवार को आपका दिन शानदार रहेगा। आपके सारे काम मन-मुताबिक पूरे होंगे। आप बच्चों के साथ खुशी के पल बितायेंगे। पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे।

मिथुन

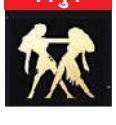

मिथुन राशि वाले आज किसी बहस में ना पड़े, इससे आपकी सेहत पर भी बुरा असर पड़ सकता है। रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा-खासा मुनाफा देंगे।

कर्क

अपना काम करते हुए आत्मविश्वास से भरे रहेंगे। मौद्रिक लाभ का संकेत है और आप आय का एक अतिरिक्त स्रोत भी स्थापित कर सकते हैं। प्रॉपर्टी या वाहन में भी निवेश संभव है।

सिंह

गुरुवार को आपका दिन सामान्य रहेगा। किसी काम से भागदौड़ अधिक हो सकती है, इससे आप थकान महसूस करेंगे। आपको संतान सुख की प्राप्ति हो सकती है।

कन्या

इस राशि वाले लोगों की निराशा दूर होगी। इस राशि वाले जो लोग जॉब करते हैं, आज उन्हें पदोन्नति हो सकती है। जो लोग विवाहित हैं उन्हें आज जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा ।

तुला

अपने परिवार के लोगों के साथ झगड़ा होने की प्रबल संभावना है। इसलिए जरा अपनी कथनी पर काबू रखें। अपनी शारीरिक चुस्ती-फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं।

वृश्चिक

आज का दिन आप में से अधिकतर को अच्छे परिणाम देगा। कुछ मामूली झटकों के बावजूद आप अच्छी प्रगति करेंगे। आपको व्यवसाय में उत्कृष्ट परिणाम मिलेंगे। नौकरी की तलाश में है, तो आपको सफलता मिलेगी।

धनु

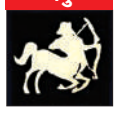

दिन अच्छा रहेगा। काम में आपके सामने कई चुनौतियां आ सकती हैं। आप अपने काम में किसी मित्र का सहयोग ले सकते हैं। धैर्य से निर्णय लेने पर सफलता के नए आसार खुल सकते हैं।

मकर

आज किसी बात को लेकर तनाव न लें। किसी का विरोध न करें। आपको अपने खर्चों पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। पूर्व में हुई गलतियों को सुधारने का मौका मिलेगा।

कुम्भ

विदेशी व्यापार संबंधित सौदों को अंतिम रूप देने के लिए यात्रा की योजना फिर से शुरू होगी। आपको अपने विदेशी संपर्कों से लाभ प्राप्त होने की प्रबल संभावना है, किन्तु अचानक वित्तीय संकट सतह पर आ सकता है।

मीन

गुरुवार को आपका दिन फायदेमंद रहेगा। कोई बड़ा काम संतान की मदद से पूरा हो जायेगा। माता-पिता का पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा। साथ ही शाम को माता-पिता के साथ किसी धार्मिक स्थल पर जा सकते हैं।

करण जौहर पर लगे नेपोटिज्म पर बोले मनीष

मुझे काम दिया, मैं तो किसी एक्टर या उनके रिश्तेदार का बेटा नहीं हूं

करण जौहर पर नेपोटिज्म को बढ़ावा देने वाले आलोचकों को होस्ट और एक्टर मनीष पॉल ने करारा जवाब दिया है। हाल ही में वो करण जौहर के बैनर की 'जुग जुग जियो' में वरुण धवन के जिगरी दोस्त गुरप्रीत के रोल में नजर आए हैं। मनीष बताते हैं कि करण सर के बारे में नेपोटिज्म से रिलेटेड बहुत बातें उठती हैं। मैं तो इसमें विश्वास नहीं करता। मेरे ख्याल से जो लोग उन पर ऊंगली उठाते हैं, दरसअल उन जैसे आलोचकों का काम ही है ऊंगली उठाना। मुझे तो काम दिया ही है करण ने। मैं तो किसी एक्टर या उनके रिश्तेदार का बेटा नहीं हूं। बाकी उनकी आदत है मस्ती मजाक करना। उसके चलते उनके बारे में आम धारणा बनी है कि वो हमेशा मजाक के मूड में ही रहते हैं। असलियत यह है कि वो बेहद केयरिंग इंसान और अपने कलाकारों का बहुत ख्याल रखने वाले प्रोड्यूसर हैं। करण के साथ साथ मनीष स्टार किड वरुण धवन की भी हौसला अफजाई करते हैं। मनीष बताते हैं, वरुण बतौर इंसान और को-स्टार बेहद हेल्पफुल हैं। वो सिर्फ अपनी लाइनों या सीन की तैयारियों में ही डूबा नहीं रहता। वह सभी की हेल्प करता है। वरुण फिल्म की बेहतरी के लिए अपने किरदार या फिल्म की मेकिंग के मद्देजनर खुद के सीन में बदलाव करता रहता है। किसी एक्टर में वह पहलू भी मैंने पहली बार देखा। मनीष साथ ही अनिल कपूर, कियारा आडवाणी, नीतू कपूर के भी शुक्रगुजार हैं। वो वजह जाहिर करते हैं, इस फिल्म से पहले वो सब मुझे बतौर होस्ट प्यार करते थे। फिल्म में मेरा काम देख वो सब मुझे एक्टर के तौर पर प्यार करने लगे।

बॉलीवुड | मसाला

सलमान खान पब्लिक के बीच आकर माफी मांगे

सलमान खान को जान से मारने की धमकी देने वाला लॉरेंस बिश्नोई जेल में बंद है। इसके बाद भी वह सलमान को मारने सजिश रचने की कोशिश कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने जानकारी देते हुए कहा कि हाल ही में हुई पूछताछ में लॉरेंस ने कहा कि काले हिरण को मारने के लिए हमारी कम्युनिटी कभी सलमान को माफ नहीं करेगी। लॉरेंस चाहता है कि सलमान अपने कृत्य के लिए पब्लिक के सामने आकर माफी मांगे। लॉरेंस गैंग ने सलमान को धमकी देने के बाद उनके वकील हस्तीमल सारस्वत को भी धमकी दी थी। धमकी देते हुए खत में लिखा दुश्मन का दोस्त दुश्मन ही होता है। हम किसी को नहीं छोड़ेंगे। तुम्हारे परिवार को भी नहीं। जल्द ही तुम्हारा भी वही हाल होगा जो सिद्धू मूसेवाला का हुआ था। इसके अलावा बता दें कि सलमान खान ने इस साल ईद में अपने फैंस को नाराज किया है। दरअसल, हर साल वह ईद के मौके पर अपने अपार्टमेंट की बालकनी के बाहर आकर फैंस से मिलते हैं। लेकिन इस साल वह सुरक्षा कारणों के चलते ऐसा नहीं कर पाए।

लॉरेंस गैंग ने सलमान के वकील हस्तीमल सारस्वत को भी दी धमकी

बॉलीवुड | पोस्टर विवाद

पागल है फिल्ममेकर लीना मणिमेकलाई : अग्निहोत्री

फिल्ममेकर लीना मणिमेकलाई की डॉक्यूमेंट्री काली के पोस्टर पर विवाद अभी भी जारी है। अब हाल ही में लीना की एक पुरानी पोस्ट पर रिएक्ट करते हुए विवेक अग्निहोत्री ने फिल्ममेकर को पागल बताया है। इसके पहले देश के कई राज्यों और शहरो में फिल्ममेकर के ऊपर एफआईआर दर्ज की गई है। वहीं दिल्ली की एक अदालत ने लीना मणिमेकलाई और अन्य लोगों के खिलाफ समन जारी कर 6 अगस्त को पेश होने को कहा है। विवेक ने लीना की पोस्ट पर रिएक्ट करते हुए लिखा- क्या कोई इन पागलों को खत्म कर सकता है? दरअसल, लीना ने एक पोस्ट कर लिखा था कि मेरी काली क्वीर हैं। वह एक स्वतंत्र आत्मा हैं, वह पितृसत्ता पर थूकती हैं। वह हिंदुत्व को भी खत्म करती हैं। गौरतलब है कि फिल्ममेकर लीना मणिमेकलई की डॉक्यूमेंट्री में मां काली के पोस्टर को लेकर दो जुलाई से विवाद चल रहा है। दरअसल, लीना ने कनाडा के टोरेंटो में इस डॉक्यूमेंट्री का प्रीमियर किया था, जिसमें मां काली बनी एक्ट्रेस को सिगरेट पीते हुए दिखाया गया है। पोस्टर में मां काली के एक हाथ में त्रिशूल और दूसरे हाथ में एलजीबीटीक्यू का झंडा भी दिखाया गया है। 2 जुलाई को इस पोस्टर के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों का गुस्सा भड़क गया। कई यूजर्स ने मेकर्स पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया और उन्हें अरेस्ट करने की मांग की है। वहीं पोस्टर रिलीज होने के बाद बढ़ता विवाद देख लीना ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर लिखा- मेरे पास खोने के लिए कुछ नहीं है। मैं हमेशा उन लोगों के साथ आवाज उठाऊंगी, जो निडर होकर बोलते हैं। अगर इसकी कीमत मेरी जिंदगी है, तो मैं वह भी दे दूंगी।

भूतों ने किया था इस मंदिर का निर्माण, एक रात में बनकर तैयार हो गया था ये शिव मंदिर

भूतों के अस्तित्व को लेकर हर किसी की अलग-अलग राय हो सकती है, जिनमें कोई भूतों को मानता है तो कोई इस तरह की चीजों से इनकार करता है। लेकिन कई बार कुछ ऐसी घटनाएं या हादसे हो जाते हैं जो यकीनन आपको सोचने पर मजबूर कर देते हैं कि आखिर दुनिया में कहीं न कहीं भूतों का अस्तित्व है। आज हम आपको एक ऐसे मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसके बारे में कहा जाता है कि इस मंदिर का निर्माण भूतों ने किया था। भगवान शिव के इस मंदिर को भूतों ने सिर्फ एक रात में बनाकर तैयार कर दिया था। वास्तविक में भगवान शिव सभी के पूज्य हैं, चाहें वह देव हो या दानव, इसलिए ही सभी लोग उनकी उपासना समान रूप से करते आ रहे हैं। इसीलिए इस मंदिर का निर्माण भूतों ने किया था। कहा जाता है कि इस मंदिर में भूत भगवान शिव की उपासना के लिए आते हैं। ये मंदिर गुजरात के काठियावाड में है। इसे नवलखा मंदिर के नाम से जाना जाता है। इस मंदिर की सुन्दरता को देखकर आपका भी मन मोहित हो जाएगा. कहा जाता है कि इस मंदिर का निर्माण करीब ढाई सौ साल पहले बाबरा नाम के एक भूत ने किया था, यह नवलखा मंदिर सोमनाथ के ज्योतिर्लिंग के समान ही बहुत ऊंचा है, जिसे जीर्णोद्धार करके ठीक किया गया है। यह मंदिर एक भूत द्वारा भले ही बनाया गया है, पर इसकी सुन्दरता देखते ही बनती है। इस मंदिर की खास बात यह है कि आपको इस मंदिर में खुजराहों तथा सोमनाथ दोनों की ही वास्तुकला देखने को मिल जाती है।

अजब-गजब | फेल हो जाते हैं विज्ञान के नियम

भगवान शिव के इस कुंड में होते हैं अद्भुत चमत्कार

इस दुनिया में कई रहस्यमयी और चमत्कारिक चीजें हैं। इनके रहस्यों और चमत्कारों को देखकर हर कोई दंग रह जाता है। ऐसा ही एक चमत्कारिक कुंड उत्तर प्रदेश के सीतापुर में भी है। इस अद्भुत कुंड के चमत्कार को देखने के बाद विज्ञान के नियम भी फेल हो जाते हैं। यह अद्भुत कुंड भगवान शिव के एक मंदिर में मौजूद है। वैसे तो विज्ञान के हिसाब से हल्की चीजें पानी में तैरती है और भारी चीजे पानी में डूब जाती हैं। जबकि पानी में दूध डालने पर मिल जाता है। लेकिन इस कुंड में विज्ञान के ये नियम उल्टे पड़ जाते हैं।

ये कोई सुनी-सुनाई या अनदेखी बात नहीं है, बल्कि ये सच है। यूपी के सीतापुर के नैमिषरण्य धाम के पास गोमती नदी के तट पर अरवापुर गांव में रुद्रेश्वर महादेव का मंदिर है। यहां एक अद्भुत कुंड भी है। इस कुंड के बारे में बताया जाता है कि यहां आज भी एक जीवित शिवलिंग स्थित है। इस अद्भुत कुंड के पानी में बेलपत्र यानी बिल्व की पत्ती जैसी हल्की चीज पानी में डूब जाती है। वहीं सेब, अनार और अमरूद जैसे भारी फल पानी में तैरने लगते हैं। वहीं यहां एक और चमत्कार देखने को मिलता है। इस कुंड में दूध की धार को डालने पर दूध पानी की सतह को तीर की तरह चीरते हुए जाता दिखाई देता है।

ओम नमः शिवाय का जाप करने पर होता है ऐसा

इस अद्भुत कुंड से कई पौराणिक परंपराएं भी जुड़ी हैं। गोमती नदी के किनारे बने इस कुंड के भीतर स्थिति शिवलिंग को बाबा रुद्रेश्वर महादेव के नाम से जाना जाता है। बताया जाता है कि यहां एक निश्चित स्थान पर बेलपत्र कुंड में जल के अंदर चली जाती है। यहां शिव के भक्तों को ओम नमः शिवाय का जप करना होता है। जब भक्त इस चमत्कारिक शिवलिंग पर ओम नमः शिवाय का जप करते हैं तो बेलपत्र, दूध एवं फल चढ़ाने से पहले सभी चीजे जल में समा जाते हैं। इसके बाद प्रसाद स्वरूप में मांगने पर एक फल वापस भी आ जाता है। महादेव के इस साक्षात चमत्कार को देखने के लिए दूर-दूर से भक्त आते हैं।

सावन में बड़ी संख्या में आते हैं शिवभक्त

शिवरात्रि और सावन में यहां भक्तों का तातां लगा रहता है। बड़ी संख्या में भक्त दूर दूर से यहां के चमत्कार को देखने आते हैं। मंदिर के जानकारों का कहना है कि किसी समय इस स्थान पर पौराणिक शिव मंदिर हुआ करता था। जो अब जल के अंदर समा गया है लेकिन जब कभी नदी का पानी कम होता है तो मंदिर का अवशेष दिखाई देने लगते हैं।

जनसंख्या असंतुलन पर योगी के बयान पर अखिलेश का पलटवार, कहा

आबादी से नहीं, लोकतांत्रिक मूल्यों की बर्बादी से उपजती है अराजकता

» सपा प्रमुख के बयान के निकाले जा रहे हैं कई मायने

» मुख्यमंत्री ने धार्मिक जनसांख्यिकी को लेकर दिया था बयान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विश्व जनसंख्या दिवस पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयान पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि अराजकता आबादी से नहीं बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों की बर्बादी से उपजती है।

अखिलेश यादव ने कहा कि अराजकता आबादी से नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों की बर्बादी से उपजती है। उन्होंने यह बात ट्वीट के जरिए कही है। अखिलेश के इस ट्वीट के कई मायने निकाले जा रहे हैं। वहीं, संभल के सपा सांसद डा. शफीकुर्रहमान बर्क ने कहा कि राजनीतिक फायदा उठाने की मंशा से भाजपा जनसंख्या का मुद्दा उछाल रही है। सपा सांसद ने जनसंख्या कानून के बजाय तालीम और रोजगार के लिए काम करने की सरकार को नसीहत दी। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्व जनसंख्या दिवस के मौके पर कहा था कि जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आगे बढ़े लेकिन जनसांख्यिकी असंतुलन की स्थिति भी न पैदा हो पाए। इसका धार्मिक जनसांख्यिकी पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है और वहां अराजकता और अव्यवस्था शुरू हो जाती है इसलिए जब हम जनसंख्या स्थिरीकरण के बारे में बात करते हैं, तो यह सभी के लिए और जाति, धर्म, भाषा या क्षेत्र के ऊपर एक समान होना चाहिए। इसके बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सीएम योगी आदित्यनाथ पर पलटवार किया था।

उत्तराखंड कांग्रेस में घमासान

हरक सिंह रावत ने हरिद्वार लोक सभा सीट पर ठोकी दावेदारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» हरिद्वार में हुई बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत रहे निशाने पर

देहरादून। उत्तराखंड कांग्रेस में फिर घमासान शुरू हो गया है। पूर्व कैबिनेट मंत्री हरक सिंह रावत के नेतृत्व में पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत विरोधी मोर्चा सक्रिय हो गया है। हरिद्वार में बैठक के बाद हरक सिंह रावत ने हरिद्वार लोक सभा सीट पर दावेदारी ठोकी है। मोर्चे ने हरिद्वार से सांसद रह चुके हरीश रावत को फिर निशाने पर लेते हुए इस सीट पर उनकी दावेदारी को चुनौती दे दी।

विधान सभा के चुनाव में मिली हार के बाद कांग्रेस में अंतर्कलह तेज हुई है। पार्टी के भीतर हरीश रावत विरोधी मोर्चा नए सिरे से मुखर हुआ है। बीते दिनों हरीश रावत हार के लिए उन्हें ही जिम्मेदार ठहराने वाले नेताओं पर बरस चुके हैं। यही नहीं उन्होंने हरिद्वार में उनके विरुद्ध प्रचार अभियान चलाने का आरोप लगाते हुए पार्टी हाईकमान से ऐसे व्यक्तियों पर कार्यवाही की मांग की थी। तब उनके निशाने पर प्रमुख रूप से पूर्व नेता प्रतिपक्ष प्रीतम सिंह थे। वहीं हरीश रावत ने कहा कि कांग्रेस पूरी तरह सक्रिय और सशक्त है। जनता के सवालों को पार्टी उठा रही है।

मरीजों को हर हाल में मिले सभी दवाएं : बृजेश पाठक

» डिप्टी सीएम ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

» बाहर की दवाएं किसी कीमत पर न लिखें चिकित्सक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सरकारी अस्पतालों में हर हाल में सभी दवाएं मरीजों को उपलब्ध कराई जाएं। मौसमी बीमारी से लेकर गंभीर रोगों तक की दवाएं अस्पताल में मरीजों को मुफ्त दी जाएं। साथ ही दवा की बर्बादी रोकने के लिए सभी जरूरी उपाय किए जाएं।

उप मुख्यमंत्री ने विधान भवन स्थित अपने कार्यालय में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन और उप्र मेडिकल सप्लाइज कॉरपोरेशन लिमिटेड के अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अस्पताल जरूरत के अनुसार ही दवाओं का आर्डर दें ताकि दवाओं को एक्सपायर होने से पहले ही मरीजों को वितरित किया जा सके। सभी अधिकारी मिलकर दवाओं की बर्बादी को रोकने के लिए काम करें। उप्र मेडिकल सप्लाईज कॉरपोरेशन लिमिटेड अस्पतालों को जरूरत के अनुसार समय पर दवाएं उपलब्ध कराए इसमें देरी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि डेंगू, मलेरिया सहित अन्य बीमारियों की भी दवाएं अभी से पर्याप्त मात्रा में अस्पतालों में उपलब्ध होनी चाहिए। डॉक्टर किसी कीमत पर बाहर से मरीजों की दवाएं नहीं लिखेंगे।

डंपर ने दो महिलाओं को कुचला, मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हमीरपुर। कानपुर-सागर हाईवे पर कुछेछा चौकी के पास तेज रफ्तार डंपर ने सड़क किनारे जा रही दो महिलाओं को कुचल दिया। इस हादसे में एक महिला ने मौके पर दम तोड़ दिया जबकि दूसरी महिला को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

आज सुबह करीब सात बजे हाईवे पर पिता की मौत हो जाने पर कुछेछा निवासी सुशीला (50) पत्नी पालटुराम निषाद और राधारानी (55) अयोध्या प्रसाद के साथ सड़क किनारे फुटपाथ से जा रही थीं। इसी दौरान कानपुर से भरुआ सुमेरपुर की तरफ जा रहे तेज रफ्तार डंपर ने महिलाओं को कुचल दिया। इसमें सुशीला की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, राधा रानी को एम्बुलेंस से अस्पताल ले जाया गया, जहां उसने दम तोड़ दिया। शहर कोतवाल दुर्ग विजय सिंह ने बताया कि सड़क हादसे में दो महिलाओं की मौत हो गई है। पंचनामा भरकर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। कानपुर-सागर हाईवे पर हमीरपुर से लेकर मौदहा तक घटनाएं बढ़ गई।

भूमि विवाद में चचेरे भाई से भिड़े एसडीएम, मारपीट का वीडियो वायरल

» पीड़ित पर ही दर्ज करा दी एफआईआर, पुलिस कर रही मामले की जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुलतानपुर। भूमि विवाद में बहराइच में तैनात एसडीएम ने पहले भाई के साथ मिलकर चचेरे भाई की जमकर पिटाई की। उसके बाद पीड़ित के खिलाफ एफआइआर दर्ज करा दी। बीते दिनों हुई घटना की वीडियो अब वायरल हुआ है। पुलिस मामले की जांच किए जाने की बात कह रही है। घटना नौ जुलाई की है।

गोसाईंगंज के देवरिया निवासी हरिश्चंद त्रिपाठी का चचेरे भाई राजीव कुमार त्रिपाठी से विवाद चल रहा है। उनके बड़े भाई ज्ञान प्रकाश त्रिपाठी बहराइच जिले में एसडीएम हैं। इन्होंने विवादित भूमि पर निर्माण शुरू करा दिया। राजीव प्रतापगढ़ में संस्कृत के प्रवक्ता हैं, जैसे ही उनको इसकी भनक लगी वह भी मौके पर पहुंचे और मना किया। आरोप है कि एसडीएम व उनके भाई ने मिलकर चचेरे भाई की जमकर पिटाई की। इस घटना का एक वीडियो अब वायरल हुआ। इसमें मारपीट और गाली-गलौज की बात शामिल है। पीड़ित का आरोप है कि पुलिस ने आरोपितों पर कार्रवाई करने के बजाय उलटे उनके ऊपर ही गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली। थानाध्यक्ष संदीप राय का कहना है कि तहरीर के आधार पर एफआईआर दर्ज कर छानबीन की जा रही है। तथ्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। एसडीएम ज्ञान प्रकाश त्रिपाठी बहराइच जिले के मिहींपुरवा तहसील में तैनात हैं। बताया गया कि गत दिनों वे छुट्टी पर घर आए थे इसी दौरान मारपीट की घटना हुई। इस संबंध में एसडीएम से बात करने का प्रयास किया गया लेकिन उन्होंने फोन काल रिसीव नहीं किया। इस कारण उनका पक्ष शामिल नहीं हो सका।

देश में जनसंख्या नीति की है जरूरत

» 4पीएम की परिचर्चा में प्रबुद्धजनों ने किया मंथन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

लखनऊ। विश्व जनसंख्या दिवस पर यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा बढ़ती आबादी को लेकर दिए बयान पर देशभर में बहस छिड़ गई है कि जनसंख्या नियंत्रण बिल जरूरी है मगर लोक सभा में केंद्र सरकार जनसंख्या नियंत्रण से जुड़ा कोई भी कानून लाने से साफ इनकार कर चुकी है। यूएन की रिपोर्ट कि माने तो 2023 में भारत दुनिया की सबसे ज्यादा आबादी वाला देश बन जाएगा। चीन को भी पछाड़ देगा। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर सरकार किससे डर रही है जो जनसंख्या नियंत्रण बिल नहीं ला रही? इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार केपी मलिक, ऋषि मिश्रा, सैयद कासिम, राजनीतिक विश्लेषक नीरज झा, किसान नेता डॉ सुनीलम और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

नीरज झा ने कहा कि राजनीति तथ्यों और तर्कों से नहीं जज्बातों से चल रही है। 20-30 सालों में जनसंख्या वृद्धि दर में खासकर मुस्लिम आबादी में अवेयरनस आई हैं। ऋषि मिश्रा ने कहा बीजेपी का इस मामले में दो स्टैंड है। संसद में बयान कुछ और बाहर कुछ। सियासत चमकाने के लिए ऐसे बयान दिए जाते हैं। सैयद कासिम ने कहा अगर इस मुल्क में भाजपा सरकार इन सब मुद्दों पर कानून नहीं पाएगी तो कौन सरकार बनाएगी जबकि इनके पास दोनों सदनों में बहुमत हैं। जनसंख्या नियंत्रण बिल पर कानून क्यों नहीं, सरकार को पहल करनी चाहिए। केपी मलिक ने कहा, पहले भी इस पर कानून बनाने की खूब चर्चा हुई। यह सरकार मुस्लिमों से संबंधित कई बिल ला चुकी है। ऐसे में अगर ये बिल लाया जाए तो बढ़िया ही रहेगा।

डॉ. सुनीलम ने कहा कि जनसंख्या नीति बनाना बहुत जरूरी है। ये नीति पूरे देश के बारे में है इस पर विचार करना होगा।

अन्य टेलीकॉम कंपनियों के मुकाबले जियो की स्पीड धीमी, उपभोक्ता परेशान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» टोल फ्री नंबर पर शिकायत करने के बाद भी नहीं सुधर रही जियो की स्पीड

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में जियो की सर्विस से ग्राहक परेशान हैं। रिलायंस जियो की जियो फाइबर यानी ब्राडबैंड सेवाओं की स्पीड बीते कई महीनों से अन्य टेलीकॉम कंपनियों से धीरे चल रही है, जिससे ग्राहक टेंशन में हैं। स्पीड को लेकर रोज नई-नई शिकायतें सामने आती रहती हैं। स्पीड के साथ-साथ उपभोक्ता निर्धारित डाटा में जल्द खत्म होने की भी शिकायत कंपनी के टोल फ्री नंबरों पर कर रहे हैं। बावजूद इसमें कोई सुधार नहीं हो रहा है।

गोमतीनगर निवासी जियो के एक उपभोक्ता संजय को आए दिन जियो की सेवाओं से परेशानी उठानी पड़ रही है। टोल फ्री नंबर पर जब भी वो शिकायत करते हैं, उन्हें कोई ठोस रिस्पांस नहीं मिलता। मामले को यह कहकर टाल दिया जाता कि जल्द आपकी समस्या दूर हो जाएगी। मगर शिकायत जस की तस बनी रहती हैं। उपभोक्ता का कहना है कि बीते दो तीन महीनों से स्थिति यह है कि स्पीड धीमी होने से अक्सर कामकाज ठप हो जाता है। जियो कंपनी की ओर से यह लापरवाही तब की गई जब उपभोक्ता के द्वारा पहले से ही बढ़िया प्लान करीब पंद्रह सौ रुपए का लिया गया और उन्हें बेहतर स्पीड का भरोसा दिया गया। मगर जब से उन्होंने जियो का जियो फाइबर प्लान लिया है तब से वो परेशान हैं। उनका कहना है कि वह इस मामले को उपभोक्ता फोरम में उठाएंगे।

उपराष्ट्रपति प्रत्याशी के सवाल पर बोले नकवी

अगर कोई जिम्मेदारी मिलती है तो उसे निभाना ही पड़ता है

» मैंने ये शपथ नहीं ली थी कि मुस्लिमों के विकास के लिए ही काम करूंगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी को राजनीति में 47 साल का लंबा अनुभव है। फिलहाल राज्यसभा का कार्यकाल खत्म होते ही नकवी ने केंद्रीय मंत्रीपद से इस्तीफा दे दिया है। लेकिन ये इस्तीफा किसी बड़े प्रमोशन की तैयारी लग रही है। खबरें हैं कि नकवी को एनडीए की तरफ से उप राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया जा सकता है या फिर उन्हें जम्मू-कश्मीर के गवर्नर के तौर पर जिम्मेदारी दी जा सकती है।

नकवी ने एक इंटरव्यू में उपराष्ट्रपति पद के मुद्दे पर दो टूक कहा कि मैं पूरी तरह अनजान हूं। मेरे पास ऐसी कोई जानकारी नहीं है। हां, 17 साल की उम्र से सामाजिक और राजनीतिक जीवन में हूं। बीजेपी के साथ सालों से काम कर रहा हूं। कई बार चुनाव जीता भी और हारा भी। राजनीति में अपेक्षाएं करनी चाहिए। अगर कोई जिम्मेदारी मिलती है तो उसे मजबूती के साथ निभाना ही होता है। हमने सिर्फ मुसलमानों के साथ नहीं, सभी के साथ काम किया है। सम्मान के साथ और बिना तुष्टिकरण के सशक्तिकरण के साथ काम किया है। कोई विरोधी ये आरोप नहीं लगा सकता है कि मोदी सरकार ने किसी के साथ भेदभाव किया। अगर अल्पसंख्यकों को सियासी चक्रव्यूह में फंसा कर रखेंगे तो उनका भला नहीं होगा। नकवी ने आगे कहा कि मैंने यह शपथ नहीं ली थी कि मैं मुसलमानों के विकास के लिए काम करने वाला हूं। किसान सम्मान निधि में भी अल्पसंख्यकों की हिस्सेदारी 33 फीसदी है। सांप्रदायिक हिंसा कहीं भी नहीं होनी चाहिए। इन्हें नियंत्रित करने की नीयत और नीति सही होनी चाहिए।

हिजाब पर कोई बैन नहीं

नकवी ने नुपुर शर्मा मामले में कहा कि एजेंसी, पुलिस कानून के मुताबिक अपना काम कर रही हैं। सरकार कुछ नहीं कर सकती है। यदि एजेंसी कुछ गलत कर रही हैं तो उसके लिए कोर्ट है। इस पर राजनीति नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा हिजाब का मुद्दा किसी भी संस्था के ड्रेस कोड से जुड़ा मुद्दा है। हिजाब पर कोई बैन नहीं है। जब आप किसी संस्था में जाते हैं तो उसके नियमों को मानना होता है। नकवी बोले, जिन पार्टियों को बड़ी संख्या में मुसलमानों का वोट मिलता है, वो कितने प्रतिनिधि लाती हैं। बीजेपी ने संसद और विधानसभा को मिलाकर देशभर के चुनावों में 350 से ज्यादा टिकट मुसलमानों को दिए हैं। जो मुस्लिम नहीं जीत पाते हैं, पार्टी की कोशिश होती है कि उनको विधानमंडल के जरिए प्रतिनिधित्व दिया जाए।

स्मृति ने बंगाल में पार्टी संगठन को दी मजबूती

» केंद्रीय मंत्री ने हावड़ा में भाजपा कार्यकर्ता के घर किया भोजन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। बंगाल में पार्टी संगठन को मजबूत करने के लिए राज्य के तीन दिवसीय दौरे पर आईं केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने अपनी यात्रा के आखिरी दिन हावड़ा में एक भाजपा कार्यकर्ता के घर दोपहर का भोजन किया। इसके साथ ही उन्होंने आजादी के अमृत महोत्सव के तहत हावड़ा में आयोजित पदयात्रा में भी हिस्सा लिया। सुबह करीब दस बजे कदमतला बस स्टैंड से पदयात्रा के रूप में एक रैली निकाली।

पंचाननतला रोड होते हुए हावड़ा मैदान तक निकाली गई इस पदयात्रा का नेतृत्व ईरानी ने किया। पदयात्रा के समापन के बाद दोपहर में ईरानी ने दासनगर थाना क्षेत्र के बालीटिकुड़ी में लोगों से जनसंपर्क किया। इसके बाद यहां उन्होंने भाजपा के पन्ना प्रमुख के घर दोपहर का भोजन किया। उनके खाने में पारंपरिक बंगाली व्यंजन चावल- मूंग की दाल, आलू पोस्तो, सूखता, आलू भाजा, पटल भाजा, बैगन का भाजा, चटनी और दही परोसा गया। यहां ईरानी ने महिलाओं से घुलमिल कर बात की और खाना खाते समय एक छोटे बच्चे को गोद में उठाकर उसे भी खिलाया। उसके बाद उन्होंने हावड़ा के कार्यकर्ताओं के साथ सांगठनिक बैठक भी की और संगठन की मजबूती पर बल दिया।

मानसून सत्र की तैयारी में जुटीं केंद्र सरकार, 17 को बुलाई बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद का मानसून सत्र 18 जुलाई से शुरू हो रहा है। मानसून सत्र से पहले केंद्र सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाई है। संसद का मानसून सत्र सुचारू रुप से चले, इसके लिए सभी दलों के नेताओं से चर्चा की जाएगी। बैठक 17 जुलाई को सुबह 11 बजे बुलाई गई है।

बैठक में शामिल होने के लिए सभी दलों के नेताओं को आमंत्रित किया गया है। बैठक में पीएम मोदी भी शामिल हो सकते हैं। संसद का माननसून सत्र 12 अगस्त तक चलेगा। लोकसभा सचिवालय ने मानसून सत्र को लेकर जानकारी दी थी। सरकार इस सत्र में कई विधेयकों को पेश कर सकती है। सरकार की कोशिश होगी की सत्र के दौरान विधेयक पास करा लिए जाएं। विपक्षी दल सरकार को महंगाई, ईडी, बेरोजगारी के अलावा कई मुद्दों पर घेर सकते हैं। महाराष्ट्र में सत्ता परिवर्तन का मुद्दा भी सदन में गरमा सकता है। मानसून सत्र के दौरान ही राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति पद का चुनाव होना है। 18 जुलाई को देश के अगले राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होगा। 21 जुलाई को राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे आएंगे। राष्ट्रपति पद के लिए एनडीए की प्रत्याशी द्रौपदी मुर्मू और विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा के बीच मुकाबला है। वहीं, उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव 6 अगस्त को होगा।

पर्यावरण सुधारने की दिशा में प्रयासरत योगी सरकार

» वर्ष 2030 में करेंगे 18.55 मिलियन टन कार्बन अवशोषित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार अपने दूसरे कार्यकाल में पर्यावरण को सुधारने की दिशा में प्रयासरत है। वन मंत्री अरुण कुमार सक्सेना ने सरकार की 100 दिनों की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि इस साल 35 करोड़ पौधारोपण से वर्ष 2030 में 18.55 मिलियन टन कार्बन अवशोषित हो सकेगा। पौधारोपण अभियान में कोई गड़बड़ी न हो इसलिए विभाग तकनीक का इस्तेमाल कर रहा है। इस बार सभी 35 करोड़ पौधों की जियोटैगिंग की जा रही है। इससे पौधारोपण अभियान में और पारदर्शिता आएगी।

वन मुख्यालय में बनेगा वार रूम

वन मुख्यालय में पौधारोपण अभियान की निगरानी के लिए एक वार रूम स्थापित करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्य सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पीएम किसान सम्मान निधि के लाभार्थियों से अपने खेतों में पौधारोपण करने का आह्वान किया। इसके अलावा सरकारी, गैर सरकारी संस्थानों, सड़कों, राजमार्गों के किनारे भी बड़े पैमाने पर छायादार और फलदार पौधे लगाए जाएं।

मंत्री ने बताया कि 15 अगस्त को अमृत महोत्सव के अवसर पर प्रत्येक ग्राम पंचायत तथा शहरी निकाय में अमृत वन की स्थापना की जाएगी। इस दिन पांच करोड़ पौधारोपण होगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश में विभिन्न स्थानों पर खाद्य वन विकसित किए जा रहे हैं। इसमें फलों के पौधे रोपित किये जाते हैं। अभियान में राष्ट्रीय वृक्ष बरगद तथा देशज पौधे पीपल, पाकड़, नीम, बेल, आंवला, आम, कटहल, सहजन, आदि के रोपण को वरीयता दी जा रही है। वन मंत्री ने बताया कि वाराणसी, विंध्य एवं ब्रजभूमि इको टूरिज्म सर्किट के प्रचार-प्रसार एवं विकास का काम पूरा हो चुका है। इसके तहत नेचर गाइड का प्रशिक्षण, साइकिल ट्रैक, ट्रैकिंग रूट का चिह्नीकरण, जीप सफारी के लिए आवश्यक व्यवस्था, पर्यटकों के रात्रि विश्राम के लिए विश्राम गृह की व्यवस्था आदि काम पूरे कर लिए गए हैं। वन मंत्री ने कहा कि भारतीय वन सर्वेक्षण की 2021 की रिपोर्ट में जिन 10 जिलों में हरियाली घटी है उसकी गंभीरता से जांच कराएंगे। बता दें कि एफएसआई की वर्ष 2019 की रिपोर्ट की तुलना में 2021 की रिपोर्ट में हरियाली घट गई है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।